धर्मों के महाकुंभ में जुटेंगे देश-दुनिया के विद्वान

सिंहस्थ 2016 के पूर्व ही मध्य प्रदेश के इंदौर में विश्व के सभी प्रमुख धर्मों के धर्माचार्य और विद्वान एक ही मंच पर एकत्र हो रहे हैं। सिंहस्थ 2016 के तहत चार अंतरराष्ट्रीय परिसंवाद की श्रृंखला में **24-26 अक्टूबर 2015 के दौरान 'मानव कल्याण के लिए धर्म'** पर अपने-अपने धर्मों और मान्यताओं के आधार पर धर्मगुरु विश्वशांति, सामाजिक न्याय, मानव सेवा, ज्ञान और आध्यात्म जैसे विषयों पर शास्त्रार्थ करेंगे। **मध्य प्रदेश शासन, संस्कृति विभाग, सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय और सेंटर फॉर स्टडी ऑफ रिलीजन एंड सोसायटी** के तत्वाधान में हो रहे इस आयोजन की एक और विशेषता यह भी है कि इसमें सिर्फ धर्माचार्य ही नहीं बल्कि दर्शनक्षेत्र के विश्वस्तरीय शिक्षाविद भी इन गंभीर और चिंतनीय विषयों पर अपनी शोध और ज्ञान प्रस्तुत करेंगे।

यह अंतरराष्ट्रीय परिसंवाद इंदौर के ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में आयोजित है। परिसंवाद के कार्यक्रम और उससे जुड़ी जानकारी एक प्रेस वार्ता के माध्यम से संस्कृति विभाग के प्रमुख सचिव श्री मनोज श्रीवास्तव, इंदौर के कमिश्नर श्री संजय दुबे और सांची बौद्ध विश्वविद्यालय के कुलसचिव श्री राजेश गुप्ता ने दी। पत्रकार वार्ता में इंदौर एडीजी श्री विपिन माहेश्वरी, इंदौर कलेक्टर श्री पी नरहरि, संस्कृति विभाग के आयुक्त श्री अजातशत्रु श्रीवास्तव तथा इंदौर के एसपी श्री संतोष सिंह भी मौजूद थे।

कार्यक्रम के आयोजक संस्कृति विभाग के प्रमुख सचिव श्री मनोज श्रीवास्तव ने कहा कि भारतीय परंपरा में पुरातन काल से ही सिंहस्थ और कुंभ के मौकों पर साधु-संत, धर्म गुरु और अलग-अलग वैचारिक परंपरा के लोग एक दूसरे के पास मौजूद ज्ञान के आधार पर शास्त्रार्थ करते थे। प्रमुख सचिव संस्कृति ने कहा कि मध्य प्रदेश शासन का प्रयास इसी पुरातन परंपरा को पुनर्जीवित करने का है। प्रमुख सचिव ने बताया कि मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान कार्यक्रम के दौरान तीनों दिन आमंत्रित धर्मगुरुओं के स्वागत के लिए मौजूद रहेंगे।

इस महाकुंभ में विश्व के 50 देशों के धार्मिक, आध्यात्मिक और शिक्षाविद इसमें सम्मिलित होने जा रहे हैं तथा 60 से अधिक विदेशी वक्ता इस परिसंवाद को संबोधित करेंगे। सत्रों में विश्व के प्रमुख धर्मों बौद्ध धर्म, जैन धर्म, इस्लाम, बहाई धर्म, वैदिक परंपरा, यहूदी धर्म, ईसाई धर्म सहित सभी अन्य धर्मों के प्रतिनिधि, धर्माचार्य और शिक्षाविद चर्चा करेंगे। कुछ चर्चित विषय जिन पर विद्वान अपने शोध प्रस्तुत करेंगे-

1. थीरी डोडिन की शोध-जहां बौद्ध दर्शन और इस्लाम एकसाथ आ गए?
2. वेस्ट इंडीज़ की कु. सलीमा मोहम्मद का शोध- त्रिनिदाद और टोबागो में रहने वाले धार्मिक परिवारों में उपवास के तरीके
3. श्रीलंका की प्रो. विजिथा मोरागासवेवे का शोध- आधुनिक विश्व में धर्मों का भविष्य
4. त्रिनिदाद, टोबागो की प्रो. डी. इडिरसिंघे का शोध- जहां ईसाई, हिंदुओं के साथ चर्च साझा करते हैं।
5. इंदौर के देवी अहिल्या वि.वि के ताहिर हुसैन का शोध पत्र- इस्लाम और पॉरिस्थितिकी
6. मैक्सिको के बौद्ध दर्शन केंद्र के निदेशक भिक्षु नंदीसेना का शोध पत्र- धर्मों में आपसी सामंजस्य? संभव या असंभव।
7. फ्लोरिडा के प्रो. यशवंत पाठक का पत्र- प्राचीन विश्व संस्कृति और परंपराओं में आध्यात्म तथा विवेक
8. नीदरलैंड के डॉ सुभाष चंद्र की शोध- विश्वशांति और परिस्थितिकी में धर्मों का महत्व

धर्म और आध्यात्म के इस अंतरराष्ट्रीय परिसंवाद में भूटान के विदेश मंत्री श्री एलडी दोर्जी, श्रीलंका के महानगर एवं शहरी विकास मंत्री श्री पीसी रानावाका, अमेरिका से वेदाचार्य डेविड फ्रॉले, प्रो. वामसी जुलूरी, चीन के शंघाई विश्वविद्यालय के प्रो. ह्यान शेन तथा प्रो. ही सिरांग, लंदन से डॉ सुमना सीरी, कोरिया के विभिन्न विश्वविद्यालयों से प्रो. केजे पार्क, प्रो. जीएल ली, प्रो. एसके किम तथा प्रो. एच सोनिल, इस्राइल से श्री ओडिड वीनर, विएतनाम से थिक टैम, प्रो. ली मान्ह थाट, जापान से प्रो. शून हीनो तथा प्रो. यसूको कमाटा वक्ता के तौर पर इस परिसंवाद में शामिल होने जा रहे हैं।